ईरान में बदलाव की बयार

हाल ही में इस्लामिक गणराज्य ईरान ने एक ऐसे उम्मीदवार को चुना है, जो बदलाव की मांग करता है।

कुछ बिंदु -

- ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन महिलाओं की नैतिक पुलिसिंग का विरोध करते हैं।
- पश्चिम के साथ टकराव के बजाय जुड़ाव का आह्वान करते हैं। वे 2015 के परमाणु समझौते को पुनर्जीवित करने के लिए पश्चिम के साथ बातचीत का समर्थन करते हैं।
- ईरान एक शिया बहुल राष्ट्र है। यहाँ के राष्ट्रपति भी धार्मिक नेताओं द्वारा नियंत्रित व्यवस्था का बहुत अधिक विरोध नहीं कर पाते हैं। ऐसे में वर्तमान राष्ट्रपति को क्रमिक सुधारों को बढ़ावा देने और दुनिया के साथ जुड़ाव की दिशा में सावधानीपूर्वक आगे बढ़ना होगा।

'द हिंदू' में प्रकाशित संपादकीय पर आधारित। 8 जुलाई, 2024